मेरे पिता जी श्री सुखवीर सिंह गाँव में रहते थे। अगस्त-2016 में उनके पेट में अचानक दर्द हुआ जो दर्द निवारक दवाएं देने से ठीक हो गया। सितम्बर-2016 में यह दर्द दो-तीन बार हुआ जो दवाएं देने के बाद बन्द हो जाता था। अक्टूबर-2016 में यही दर्द फिर हुआ जो दवाएं देने से कम तो हो जाता था लेकिन जैसे ही दवाओं का असर कम होता था वैसे ही दर्द बढ़ने लगता था। पेट दर्द से बहुत अधिक परेशान होने पर, मेरे पिता जी ने फोन पर मुझे सारी समस्या बताई। क्योंकि मेरी पत्नी एक होम्योपैथिक चिकित्सक हैं और मैं भी औषधि विश्लेषण से जुड़ा हूँ इस नाते हमने उनको बुलन्दशहर सिटि में जाकर एक अच्छे डायग्नोस्टिक सेंटर में जा कर पेट का अल्ट्रा-साउंड कराने की सलाह दी। वाट्स ऐप पर रिपोर्ट देखने के बाद, हम काफी चिंतित हुए क्योंकि हमें लीवर कैंसर का आभास होने लगा था।

मैंने अपने पिता जी को तुरन्त अपने पास वैशाली बुलाया और मैक्स अस्पताल वैशाली (गाजियाबाद) लेकर आये जहाँ मैंने उनके पेट रोग विशेषज्ञ डा० विभू विभाष मित्तल को दिखाया। डा० विभू को भी लीवर कैंसर का ही आभास हुआ तो उन्होंने कनफर्मेशन के लिये मल्टी स्टेज सीटी स्केन तथा बायोप्सी करायी। अब सभी रिपोर्ट्स देखने के बाद यह निश्चित हो गया था यह बीमारी लीवर कैंसर ही है। एक ऐसी बीमारी जिसका नाम सुनकर ही पैरों के नीचे से जमीन खिसक जाती है। हम सभी लोग बहुत ही घबरा गये थे हमें समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें। हमने खुद को संभालते हुए डा० विभू से पूछा कि हमें अब आगे क्या करना चाहिये। डा० विभू ने पिता जी को कैंसर रोग विशेषज्ञ डा० गोपाल शर्मा को दिखाने को कहा।

अब हम लोगों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती पिता जी की इच्छा-शक्ति, होंसला एवं जीने के जज्बे को कायम रखना था। मेरे पिता जी कम सुनते हैं जिसके कारण उन्होंने डा० विभू की बातों को नहीं सुना और हम बीमारी का नाम सुनकर टूटते देखना नहीं चाहते थे

इसीलिये हम लोगों ने इनको सिर्फ इतना बताया कि लीवर में एक साधारण गाँठ है जिसे डाक्टर निकाल देंगे और आप बिल्कुल ठीक हो जायेंगे।

मैंने अपने पिता को डा० गोपाल शर्मा को दिखाया तो समस्त रिपोर्ट्स देखने के बाद उन्होंने कहा कि इसमें कीमो थेरेपी कारगर नहीं होगी इसलिये सर्जरी विकल्प हो सकती है इसके सम्बन्ध में डा० शर्मा ने कैंसर सर्जन डा० शुभम गर्ग से परामर्श करने की सलाह दी। मैं पिता को लेकर डा० शुभम गर्ग से मिला तो उन्होंने पिता का परीक्षण एवं इनकी समस्त रिपोर्ट्स का बड़े ही ध्यान एवं गहनता से अध्ययन किया। डा० गर्ग ने कहा कि आपके पिता जी के लीवर की सर्जरी हो सकती है और ठीक होने की बहुत अधिक सम्भावना है। उक्त सम्बन्ध में डा० गर्ग ने अपनी सर्जिकल टीम/बोर्ड से सलाह-मशविरा कर बताया कि यह आपरेशन बहुत बड़ा होगा, इसमें 50% तक रिस्क भी हो सकता है और यदि सर्जरी नहीं की जाती है तो आपके पिता जी कुछ दिन/महीनों बाद पूर्णतः बिस्तर पर आ जायेंगे।

अब हम यह जान चुके थे कि एक तरफ कुआ है तो दूसरी तरफ खाई है। हमे सर्जरी कराना कुए में गिरने के समान लगा क्योंकि सर्जरी के समय किसी अनहोनी का डर सता रहा था लेकिन साथ ही एक विश्वास भी था कि डाक्टर कुए से निकाल ही लेंगे। सर्जरी न कराना हमें खाई में गिरने जैसा लगा कि जहाँ से कोई नहीं बचा सकता। अतः हमने काफी सोच-विचार करने के बाद तय किया कि सर्जरी कराने में ही भलाई होगी क्योंकि हम लोगों का डा० शुभम गर्ग की कार्य-कुशलता पर भी बहुत भरोसा था।

जब हम पिता जी को घर से अस्पताल सर्जरी के लिए ले जा रहे थे तो एक सवाल मन को कचोट रहा था कि जिस घर से अस्पताल जा रहे क्या उस घर में वो ठीक होकर वापस आयेंगे? लोग कहते डाक्टर भगवान का रूप होते हैं और वह रूप हमें डा० शुभम

गर्ग में देखने को मिला जिसका शब्दों में वर्णन करना मुश्किल है। डा० गर्ग ने शुरु से आखिर तक जिस तरह से हमें पिता जी की बीमारी का केश समझाया और इलाज के दौरान होने वाली सभी बातों/समस्याओं को स्पष्ट शब्द में वर्णित किया उससे हम लोगों का होंसला बहुत मजबूत हुआ जिसके कारण ही हम सर्जरी के लिये तैयार हुए थे। जिस मेहनत एवं कुशलता के साथ डा० गर्ग ने अपनी सर्जिकल टीक के साथ मिलकर मेरे पिता की सर्जरी कर उपचार किया वह काबिले तारीफ है। अब मेरे पिता बिल्कुल स्वस्थ्य है और डा० गर्ग के कार्यों का गुणगान कर उनको दुआयें देते ~~है~~ रहते हैं। मैं डा० गर्ग के बारे एक ~~लाइन~~ लाइन में इतना कहुंगा कि वे मेरे पिता के जीवन रक्षक हैं (He is life saver of my father)।

मैं और मेरा समस्त परिवार डा० शुभम ~~गर्ग~~ गर्ग को उनके उज्जवल भविष्य के लिये हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं और आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास भी करते हैं कि वो भविष्य में अपने कर्तव्य का निर्वाहन बहुत ही ईमानदारी एवं मेहनत से करते रहेंगे। परमेश्वर की कृपा डा० शुभम गर्ग पर हमेशा ही बनी रहे।

05/4/18

(मुकेश कुमार गौतम)

4/470, प्लैट नं० - 303

~~सेक्टर-4~~ वैशाली (गाजियाबाद)

मो० नं० - 9810812734